

प्रेषक:

राधिका झा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी।

शिक्षा अनुभाग-6

देहरादून दिनांक: 13 जुलाई, 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय हेतु किराये के भवन वेतन एवं अन्य आवश्यक व्ययों आदि के लिए सहायक अनुदान मद में रु0 50 लाख की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, भवाली, जिला नैनीताल में स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिस हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में कोई बजट व्यवस्था नहीं है। चूंकि उक्त व्यय वचनबद्ध एवं अपरिहार्य है, और धनराशि को समयबद्ध रूप से उपयोग किया जाना है। अतः राज्य आकस्मिकता निधि से रु0 50 लाख (रुपये पचास लाख मात्र) किराये के भवन वेतन एवं अन्य आवश्यक व्ययों आदि के अन्तर्गत होने वाले व्यय हेतु निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

3- धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जाय।

4- उक्त आवंटित धनराशि के व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।

5- धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है व्यय में मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों तथा वित्तीय नियमों/प्राविधनों में निहित निदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे जाय।

6- प्रथम अनुपूरक के समय उक्त धनराशि की प्रतिपूर्ति का प्रस्ताव निर्धारित समयान्तर्गत अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जायेगा।

7- राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत बिलों का नियमानुसार भुगतान किया जाएगा।

इस संबंध में होने वाला व्यय प्रथमतया "8000-आकस्मिकता निधि राज्य आकस्मिकता निधि लेखा-201 समेकित निधि को विनियोजन" तथा अन्ततः अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत मुख्य लेखाशीर्षक-2202-सामान्य शिक्षा-03 विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102 विश्वविद्यालयों को सहायता, 09-राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना के अन्तर्गत मानक मद संख्या-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद में आयोजनागत पक्ष में संगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

भवदीया,

(राधिका झा)
अपर सचिव

संख्या: 03/XXVII(1)/रा0आ0क0निधि/2010 दिनांक: 29 जून, 2010

प्रतिलिपि महालेखाकार उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग माजरा, देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(आर0सी0 शर्मा)
संयुक्त सचिव

संख्या: 214/XXIV(6)/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नांकित को सूचनार्थ -

- 1- महानिबन्धक, उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल।
- 2- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड।
- 3- निदेशक, उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधि अकादमी, (उजाला) भवाली नैनीताल।
- 4- निजी सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 6- बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
- 7- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी0एल0 शाह)
उप सचिव